संस्कृत और संस्कृति

डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित

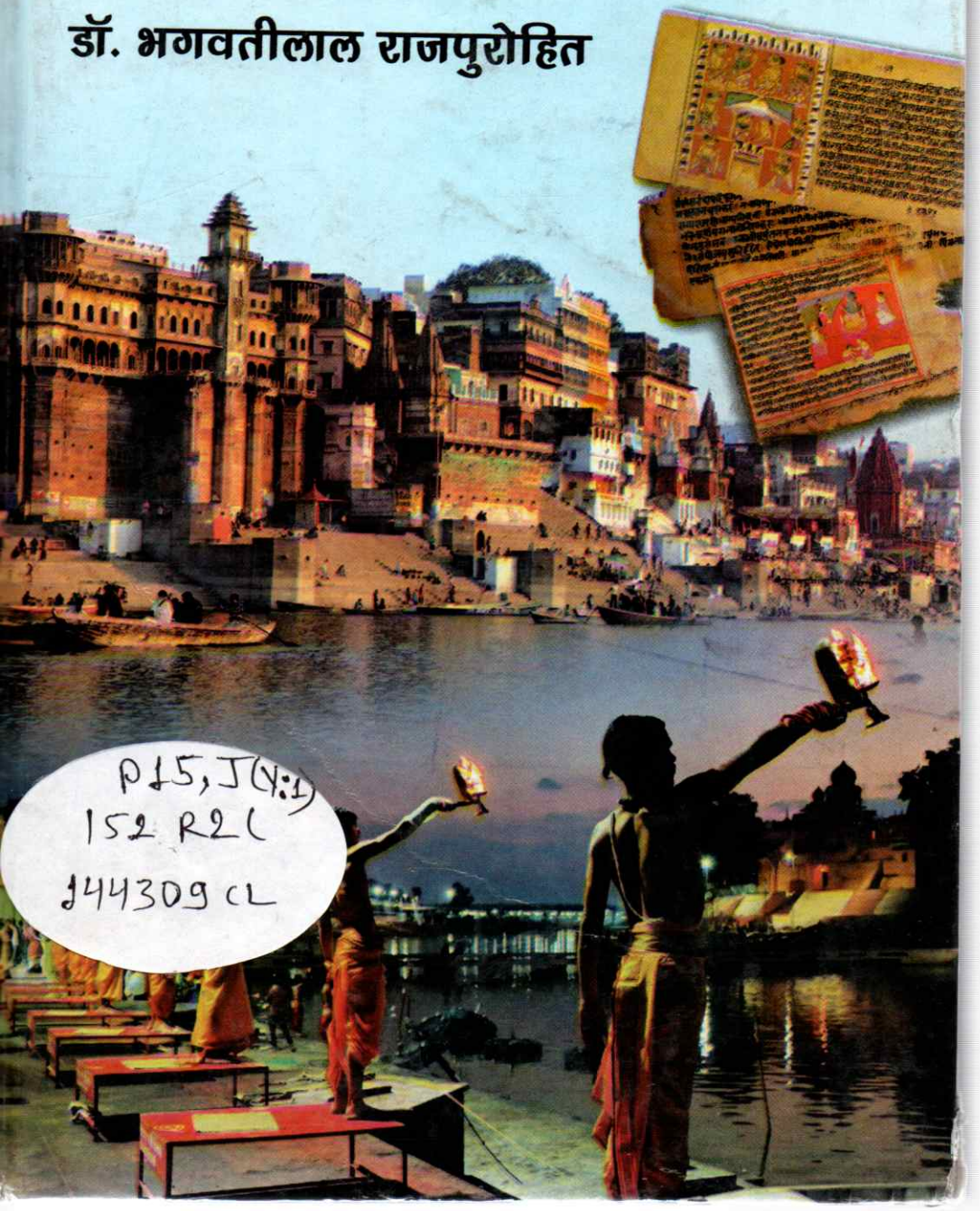

P15, J(4:1)
152 R2(
144309 CL

अनुक्रमणिका

1.	वेदसम्बन्धी पुरातात्त्विक प्रमाण	1-7
2.	संस्कृत-भारत के मूल	8-10
3.	संस्कृत परम्परा में राष्ट्र	11-13
4.	कथासरित्सागर में पाणिनि	14-19
5.	गणपति के प्राग्गुप्तकालीन कतिपय संदर्भ	20-23
6.	ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग	24-28
7.	बाणभट्ट की उज्जयनी में महाकाल	29-36
8.	रामसेतु उपजीव्य स्रोतों में	37-39
9.	विश्वशान्ति और सद्भाव में विभिन्न धर्मों की भूमिका	40-42
10.	मध्यप्रदेश में वैष्णव शैव एवं शाक्त परम्पराएँ	43-60
11.	संस्कृत वाङ्मय में उज्जयिनी	61-64
12.	संस्कृत साहित्य में विदिशा	65-69
13.	पौराणिक वाङ्मय में शिप्रा	70-74
14.	मालवा की गंगा - शिप्रा	75-86
15.	शिप्रा महात्म्य एवं गंगा दशमी पर्व	87-88
16.	समरांगणसूत्रधार में स्थापत्य सम्बन्धी कुछ तकनीकी शब्द	89-94
17.	राजा भोज के समरांगणसूत्रधार का अनुकरण	95-96
18.	इतिहास - गंगा	97-98
19.	इतिहास की धारा - विवेक दृष्टि	99-104
20.	सरस्वती नदी और सरस्वती स्नान	105-107
21.	संवतों के विषय में कुछ और	108-109
22.	शक संवत् का प्रवर्तक - शक या शालिवाहन	110-113